647510 **BRSHinFC507B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov. - 2023(Old Course)
HINDI LITERATURE AND LANGUAGE CORRECTION (FOUNDATION-7)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न. १ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानुसार उत्तर दीजिए । (१५)

१. नदी शब्द के दो समानार्थी शब्द दीजिए ।
२. पर्वत शब्द के दो समानार्थी शब्द दीजिए ।
३. कई रेल्वे के कर्मचारियों को गिरफतार हुई – वाक्य का शुध्ध रुप लिंखे ।
४. गगन चुमने वाला – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए ।
५. जिसके आने की तिथि निश्चित न हो – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए ।
६. संक्षेपण के किसी दो गुणों के नाम लिखे ।
७. विदेशी – शब्द के दो दो उदाहरण लिखे ।
८. जानने की इच्छा रखनेवाला – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए ।
९. जो बहुत कम जानता है – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए ।
१०. अनुवाद शब्द की परिभाषा दीजिए ।
११. जो अपनी हत्या करता है – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए ।
१२. जो सब में व्याप्त है वह – एक शब्द दीजिए ।
१३. हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है – वाक्य का शुध्ध रुप से लिंखे ।
१४. देशज शब्द के दो उदाहरण लिखे ।
१५. स्त्री शब्द के समानार्थी दीजिए ।

प्रश्न. २ अनुवाद के विभिन्न प्रकारों के बारे में लिखे । (१५)

अथवा

प्रश्न. २ संक्षेपण का अर्थ बताकर संक्षेपण के गुणों की विस्तृत चर्चा करें ।

प्रश्न. ३ निम्नांकित टिप्पणियों मे से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें । (१५)

१. हिन्दी शब्द समुह की चर्चा करे ।
२. काव्य अनुवाद की समस्याएँ बताईए ।
३. अनुवाद की उपयोगिता लिखें ।
४. राष्ट्रीय एकता के लिए हिन्दी भाषा ।

प्रश्न. ४ बैंकमें खाता खोलने हेतू पत्र लिखें । (१५)

अथवा

प्रश्न. ४ राजकमल प्रकाशन हिन्दी से अपने पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयो की किताबें मंगवाने हेतू पत्र तैयार कीजिए ।

प्रश्न. ५ निम्नांकित परिछेद का संक्षेपण कीजिए । (१०)

नारी को बंधनों में जकडे रहने का सरल उपाय यह था कि उसे शिक्षा से वंचित कर दिया जाये ताकि वह अपनी स्थिति पर बुध्धिमता पूर्वक विचार कर मुक्ति का मार्ग न पा सके । धार्मिक अंधविश्वासों को भी नारी ने अशिक्षा के कारण ही अपना लिए है। पुरुष ने अपनी वासनापूर्ति की सुविधा के लिए स्त्रियाँ रखने का विधान बना लिया और नारी को पतिव्रता रहने का उपदेश दिया । उसे यह कहकर डराया भी गया कि यदि वह पति को छोडकर अन्य पुरुष की और आँख उठाकर देखेगी तो उसे नर्क मिलेगा ।

यदि नारी शिक्षित होती तो वह अपनी बुध्धि के बल पर वह बात मानने को भी कभी तैयार न होती । उसे इन अंधविश्वासों में पडने से शिक्षा बचा सकती थी । किंतु शिक्षा के अभाव में वह पुरुष की स्वार्थपूण इच्छाओं को ईश्वरीय नियम मानकर सहती चली गयी । परिणाम यह हुआ कि वह पुरुष की आज्ञाएँ मानने पर विविश होकर उसकी दासी, उसके बच्चों की दाय और घर का काम करनेवाली नौकरानी बन गई ।

****